रशियन फेडेरेशन के जेलिमखान मर्डलोव

अधिकारों के लिए लेखन 2010

तत्काल आवाज उठायें

दुनिया के **लाखों लोगों के साथ** खड़े हों और उनके साथ मिलकर उन व्यक्तियों के समर्थन में आवाज उठायें, जो हर रोज मानव अधिकारों के हनन के खिलाफ कहते हैं।

रूसी संघ के राष्ट्रपति यह मांग करते हुए लिखें:

■ कि यह स्पष्ट किया जाए कि जेलिमखान मर्डलोव को क्या हुआ, और जांच की प्रगति के बारे में उनके परिवार को जानकारी दी जाए;

■ जेलिमखान मर्डलोव को प्रताड़ित करने एवं जबरन लापता करने में शामिल दो पुलिस अधिकारियों के बारे में पता लगाने के सभी जरूरी प्रयास किये जाएं और उन पर मुकदमा चलाया जाए।

लिखें:
President of the Russian Federation
Dmitry Anatolevich Medvedev
ul. Ilyinka, 23
103132 Moscow
Russian Federation

फैक्स: +7 495 9102134
अभिवादन: प्रिय राष्ट्रपति मेदवेदेव /
Dear President Medvedev

Amnesty International
International Secretariat
Peter Benenson House
1 Easton Street
London WC1X 0DW
United Kingdom

www.amnesty.org
/individuals-at-risk
अक्तूबर 2010
क्रम सूची: EUR 46/036/2010
Hindi

जेलिमखान मर्डलोव के लिए तत्काल सक्रिय हों

तस्वीरः निजी कॉपीराइट

छब्बीस साल के जेलिमखान मर्डलोव को, सन 2001 में जब रूसी संघ (रशियन फेडरेशन) के चेचेन्या में हिरासत में लिया गया था तब से अब तक नहीं देखा गया है।

जेलिमखान मर्डलोव को चेचेन्या की राजधानी ग्रोझनी के ओक्टियाब्रस्की जिले में 2 जनवरी 2001 में गैरकानूनी ड्रग्स रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। उसके परिवार के सदस्य कई बार पुलिस थाना गये, लेकिन उन्हें जाने नहीं दिया गया। 5 जनवरी को, पुलिस थाने के कर्मचारी ने दावा किया कि जेलिमखान मर्डलोव को उस सुबह छोड़ दिया गया था।

29 मार्च 2005 को, ओक्टियाब्रस्की जिला अदालत को मालूम हुआ कि विशेष संघीय दंगा पुलिस इकाई (ओमोन) के एक सदस्य सर्गेई लैपिन,जो कि खांडी मांसिस्क से स्थानांतरिज होकर चेचेन्या आए थे, ने जेलिमखान मर्डलोव को ओक्टियाब्रस्की पुलिस स्टेशन मे घूंसो और लातों से मारा और कई घंटो तक रबर के बेत से पिटाई की। उन्हें बिजली के झटके दिये गये और गवाहों ने अदालत को बताया कि जब उन्हें जेल के बंदी गृह में ले जाया गया उस समय जेलिमखान मर्डलोव मुश्किल से खड़े हो पा रहे थे और कई बार उनकी चेतना चली गई थी। उनकी बांह टूट गई थी, कान खिंचे हुए थे और वे सिर पर गंभीर चोट से ग्रस्त थे। अदालत को यह भी पता चला कि अगले दिन ओक्टियाब्रस्की पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी जेलिमखान मर्डलोव को कार से कहीं दूर ले गये।

अदालत ने लेफ्टिनेंट सर्गेई लैपिन को जेलिमखान मर्डलोव को प्रताड़ित करने में शामिल पाया। वे जेल में दस साल की सजा काट रहे हैं। जबकि, उनको जबरन लापता किये जाने का कोई दोषी नहीं पाया गया। जेलिमखान मर्डलोव को प्रताड़ित करने एवं उन्हें जबरन लापता किये जाने में एक कमांडर एवं एक निचले रैंक के अधिकारी को भी शामिल पाया गया जिन्हें फरवरी 2006 में संघीय वांटेड सूची में रखा गया। लेकिन चार साल बाद उनकी स्थिति के बारे में पता नहीं लगाने के बारे में कोई प्रगति नहीं हुई है।

जेलिमखान मर्डलोव के परिवार ने अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए व्यापक अभियान चलाया, और उन्हें ऐसा करने के लिए प्रताड़ित और परेशान किया गया। यह उनके ही प्रयासों का परिणाम था कि सर्गेई लैपिन को जेल भेजा जा सका। लेकिन उसके बाद जेलिमखान की मां और बहन को अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ना पड़ा। उनके पिता अस्टेमिर मर्डलोव, रूस में ही रुक कर अपने बेटे के बारे में जानकारी की प्रतीक्षा करते रहे।